संख्या-50/001/122डब्लू/25-27-3099/118/2025

प्रेषक,

सिद्धाशरण पाण्डेय
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग,
उ0प्र0 लखनऊ।

सिंचाई एवं जल संसाधन अनुभाग-3 लखनऊः दिनांकः 03 सितम्बर, 2025

विषयः जनपद मीरजापुर में मेजा जिरगो लिंक नहर के निर्माण हेतु ग्राम-मटियारी कला थरपरसिया, लखनिया एवं कठवार, तहसील-लालगंज के अन्तर्गत कृषकों से ली गयी भूमि के मुआवजे के भुगतान के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता (अग्रिम नियोजन), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-433/मु0अ0(अनि)/अनिमं-6/यू-3/भू-प्रतिकर/बाणसागर दिनांक-04.06.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- मुख्य अभियन्ता स्तर-1 (विन्ध्याचल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा बाण सागर नहर निर्माण खण्ड-8, मीरजापुर के अन्तर्गत मेजा जिरगो लिंक नहर के किमी0 13.000 से किमी0 19.500 के मध्य नहर के निर्माण हेतु ग्राम-मटियारी कला थरपरसिया, लखनिया एवं कठवार, तहसील-लालगंज जनपद मीरजापुर, के अन्तर्गत कृषकों से ली गयी भूमि के मुआवजे के भुगतान हेतु धनराशि रू0 8,98,775.00 (आठ लाख अट्ठानवे हजार सात सौ पचहत्तर रूपये मात्र) का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

3- अतः बाण सागर नहर निर्माण खण्ड-8, मीरजापुर के अन्तर्गत मेजा जिरगो लिंक नहर ग्राम-मटियारी कला थरपरसिया, लखनिया एवं कठवार, तहसील-लालगंज जनपद मीरजापुर, के अन्तर्गत कृषकों की ली गयी भूमि के मुआवजे के भुगतान हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखाशीर्षक-4700-18-050-10-16-24 बाण सागर बांध परियोजना (वाणिज्यिक) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि रू0 2,00,00,000.00 (रूपये दो करोड़ मात्र) के सापेक्ष धनराशि रू0 8,98,775.00 (आठ लाख अट्ठानवे हजार सात सौ पचहत्तर रूपये मात्र) के भुगतान के सम्बन्ध में वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.nic.in

4- नियम, शर्ते/प्रतिबन्ध-

(1) कार्य की विशिष्टियां, मानक व गुणवत्ता की जिम्मेदारी विभाग की होगी तथा विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि कार्य निर्धारित समय सीमा अवधि में ही पूर्ण हो जाये।

(2) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।

(3) प्रश्नगत धनराशि जिस कार्य/मद में स्वीकृत की जा रही है उसका व्यय प्रत्येक दशा में उसी कार्य/मद में किया जायेगा।

(4) विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि स्वीकृत किये जा रहे इस कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है तथा न ही कार्य किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित है।

(5) प्रयोजना में भूमि अध्याप्ति का प्राविधान किया गया है। अत: भूमि का क्रय विभाग द्वारा सुसंगत वित्तीय नियमों के अधीन किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

(6) विभाग द्वारा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-16/2018/बी-2-979/दस-2018-244/2018, दिनांक 01 सितम्बर, 2018 के सम्बन्ध में दिये गये दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(7) विभाग द्वारा प्रायोजना पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त ही प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जाय।

(8) विभाग द्वारा नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियाँ एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा।

(9) प्रायोजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यो की द्विरावृत्ति (डुप्लीकेसी) को रोकने के दृष्टि से प्रायोजना के स्वीकृति से पूर्व विभाग यह सुनिश्चित किया जायेगा कि यह कार्य पूर्व में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम के अन्तर्गत न तो स्वीकृत है और न वर्तमान में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम में आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है।

(10) विभाग द्वारा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 कार्यालय ज्ञाप संख्या-6/2025/बी-1-352/10-2025-231/2025, दिनांक 27 मार्च, 2025 में वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(11) इस सम्बन्ध में मुझे कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उक्त धनराशि का भुगतान किये जाने से पूर्व पुन: एक बार भूमि के स्वामित्व के अभिलेखों एवं तत्सम्बन्धी गणनाचक्र का प्रवर्त्त नियमों के प्रकाश में भली भांति परीक्षण एवं शुद्धता की जांच कर समाधान कर लेने के पश्चात ही भुगतान सही भू-स्वामी को किया जाय किसी गलत भू-स्वामी को किये गये भुगतान के लिए अथवा एक ही भू-स्वामी को उसी भूमि के लिए एक से अधिक बार नियमों के विरूद्ध भुगतान करने पर यह एक वित्तीय अनियमितता होगी जिसके कारित होने पर सम्बन्धित समस्त अधिकारीगण व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय रूपये धनराशि रू0 8,98,775.00 (आठ लाख अट्ठानवे हजार सात सौ पचहत्तर रूपये मात्र) चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखाशीर्षक-4700-18-050-10-16-24 बाणसागर बांध परियोजना (वाणिज्यिक) के नामे डाला जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.nic.in

6- यह आदेश कम्प्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या-ई-8-166-एक्स-2025-26, दिनांक 18.08.2025 में प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
सिद्धाशरण पाण्डेय
संयुक्त सचिव।

पृष्ठांकन संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

(1) महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद।
(2) वित्त नियंत्रक, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
(3) मुख्य अभियन्ता (बजट), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
(4) मुख्य अभियन्ता (अग्रिम नियोजन), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
(5) मुख्य अभियन्ता स्तर-1 (विन्ध्याचल), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, प्रयागराज।
(6) मुख्य अभियन्ता (बाणसागर), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, प्रयागराज।
(7) अनु सचिव (लेखा)/आहरण वितरण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 शासन।
(8) कोषाधिकारी, मीरजापुर।
(9) अधीक्षण अभियन्ता, बाणसागर नहर निर्माण खण्ड-2, मीरजापुर।
(10) अधिशासी अभियन्ता, बाणसागर नहर निर्माण खण्ड-8, मीरजापुर।
(11) सिंचाई एवं जल संसाधन अनुभाग-9, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 शासन।
(12) वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-8, वित्त विभाग, उ0प्र0 शासन।
(13) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1, वित्त विभाग, उ0प्र0 शासन।
(14) गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
चन्द्र भूषण
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।